Roll No. : ..... Total Pages : 4

2541

Second Year Arts Examination, 2016

PRAKRIT

Paper – I

(आगम साहित्य, शिलालेख एवं व्याकरण)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(इकाई–I)

(i) णायाधम्मकहा के चतुर्थ अध्ययन का नाम बताइए।

(ii) उत्तराध्ययन सूत्र का आशय समझाइए।

(इकाई–II)

(iii) वसुनंदीश्रावकाचार के लेखक का नाम बताइए।

(iv) वसुनंदीश्रावकाचार में वर्णित विषयों के नाम लिखिए।

(इकाई–III)

(v) किन्हीं **दो** अर्धमागधी आगम ग्रन्थों के नाम लिखिए।

(vi) किन्हीं **दो** शौरसेनी आगमों के नाम लिखिए।

(इकाई–IV)

(vii) अशोक के अभिलेख कौन-सी शताब्दी के हैं?

(viii) किन्हीं **दो** प्राकृत शिलालेखों के नाम लिखिए।

(इकाई–V)

(ix) अर्धमागधीप्राकृत की किन्हीं **तीन** विशेषताओं के नाम लिखिए।

(x) देव शब्द की प्रथमा विभक्ति एकवचन में कौन-सा रूप बनता है?

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

एवामेव समणाउसो! जो अम्हनिग्गंथो वा निग्गंथी वा आमरियउवऽछायाणं अंतिए पव्वहए समाणे पंच से इंदियाहं अगुत्ताइं भवंति, सेण इह भवे चेव बहुणं समणाणं सामगाणं साविगाणं हीलणिज्झे परलोएवि यणं आगच्छइ बहूणि दंडणाणि जाव अणुपरियट्ठइ, जहा कुम्भए अगुतिंदिए।

3. निम्नलिखित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जहासुणी पूइकण्णी निकसिज्जइ सव्वसो।
एवं हुस्सीलपडिणीए मुहरी निकसिज्जइ।।

(इकाई–II)

4. निम्नलिखित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अग्गि-विस-चोर-सप्पा दुक्खं थोवं कुणंति इहलोए।
हुक्खं जणेइ जूयं णरस्स भवसयसहस्सेसु।।

5. वसुनंदीश्रावकाचार के पठित अंश का मूल्यांकन कीजिए।

(इकाई–III)

6. किन्हीं **तीन** प्रमुख आगम ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

7. षटखंडागम का परिचय दीजिए।

(इकाई–IV)

8. अधोलिखित शिलालेख का हिन्दीं में अनुवाद कीजिए।
इयं धंम लिपी देवानां प्रियेन, प्रियदासिना राणा लेखापिता इध न किं चि जीवं आरभित्या प्रजूहितत्वं न च समाजो कतव्यो।

9. अशोक के अभिलेखों का महत्त्व बताइए।

(इकाई–V)

10. पुरिस शब्द के रूप सभी विभक्तियों में लिखिए।

11. प्राकृत में कृदन्त का अर्थ बताते हुए, प्रमुख कृदन्तों को उदाहरण सहित समझाइए।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. ज्ञाताधर्म कथा (णायाधम्मकहा) की पठित कथाओं में से किसी एक कथा का मूल्यांकन कीजिए।

(इकाई–II)

13. वसुनंदीश्रावकाचार में वर्णित द्यूत एवं मद्यदोष को समझाइए।

(इकाई–III)

14. शौरसेनी के प्रमुख आगमों का परिचय दीजिए।

(इकाई–IV)

15. अशोक के अभिलेखों (पठित अंश) का सार प्रस्तुत कीजिए।

(इकाई–V)

16. शौरसेनी भाषा की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।